सृजनात्मकता का अर्थ (Meaning of Creativity)
सृजनात्मकता अंग्रेजी भाषा के शब्द creativity का हिन्दी रूपान्तर है। creativity शब्द (Kere) से निर्मित हुआ है। जिसका अर्थ है अस्तित्व में आना उगना (Grow) मूलरूप से से अस्तित्व में आना होता है जब इसका विशेषण के रूप में प्रयोग होता है तो उसका अर्थ बताता योग्यता (Ability) शक्ति (Power) कल्पना (Imagination) आदि से लगाया जाता है)

स्टेन के अनुसार "जब किसी कार्य का परिणाम नवीन हो जो किसी समय में समूह द्वारा मान्य या उपयोगी हो वह कार्य सृजनात्मकता कहलाता है।"

सी. वी. गुड के अनुसार -
सृजनात्मकता वह विचार है जो किसी समूह में विस्तार सांतत्य का निर्माण करता है।

सृजनात्मकता की पहचान :
गिलफोर्ड ने सृजनात्मकता की पहचान हेतु निम्न आवश्यक तत्व बताये है।-

① तात्कालिक स्थिति से परे जाने की योग्यता : अर्थात् जो बालक तात्कालिक परिस्थितियों के आधार पर अनति की ओर की अवश्य जानकर

अध्यापक द्वारा अन्तर्दर्शी चिन्तन को प्रोत्साहित करते करते है। तथा विश्लेषणात्मक चिन्तन को प्रोत्साहित करते है। तो इससे कक्षा वैज्ञानिक की गति मन्द हो जाती है।

② पाठ की संरचना:- ब्रूनर के अनुसार प्रत्येक विषय में कुछ नियम सिद्धान्त होती है। जिनके बालको द्वारा सीखना आवश्यक होता है इन को सीखने बाद वस्तुओं का सही प्रयोग होता है।

③ अन्वेषणात्मक सीखना:- ब्रूनर ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी विषय का पाठ पाठ को सीखने की उत्तम विधि अन्वेषण द्वारा सीखना होता है। दूसरे शब्दो मे छात्र के समस्या के विभिन्न पक्षो पर स्वतन्त्र रूप आगमनात्मक चिन्तन करने के विषय से सम्बन्धित सम्प्रत्यय के आँकड़े एवं सम्बन्धो की खोज करनी चाहिए अध्यापको को ध्यान देना चाहिए कि ज्ञान अधिक अन्वेषित होता है। उनके लिए बहुत उपयोगी होता है।

प्रो० वेंकट रामानैया के अनुसार सृजनशील बालकों में निम्न गुण पाये जाते हैं

① मौलिकता, ② स्वतंत्र निर्णय शक्ति, ③ विनोदप्रियता ④ उत्सुकता, संवेदनशीलता, स्वायत्तता।

Scanned by TapScanner